चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 5.6.2019 पृष्ठ सं. 20 कॉलम 1-4

नई खोज | आचार्य एनजी रंगा कृषि विश्वविद्यालय आंध्रप्रदेश में हुई वार्षिक समूह की बैठक में चिह्नित की किस्म

एचएयू ने विकसित की मूंग की नई रोग प्रतिरोधी किस्म

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने मूंग की एक नई किस्म एमएच 1142 विकसित की है। उत्पादन और रोग प्रतिरोधकता की दृष्टि से यह एक उत्तम किस्म है। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि आचार्य एनजी रंगा कृषि विश्वविद्यालय, गुंटूर, आंध्रप्रदेश में अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की खरीफ दलहनों पर हाल ही में संपन्न हुई वार्षिक समूह बैठक में इस किस्म को चिन्हित किया गया। देश के उत्तर-पश्चिमी और उत्तर-पूर्वी मैदानी क्षेत्रों, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तराखण्ड, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, बिहार, झारखण्ड, पश्चिमी बंगाल और असम राज्य में यह किस्म खरीफ मौसम में खेती के लिए चिन्हित की गई है।

कुलपति ने बताया कि उत्पादन की दृष्टि से यह किस्म मूंग की लोकप्रिय किस्म एमएच 421 से बेहतर है। विभिन्न राज्यों में एमएच 1142 की औसत पैदावार 12 क्विंटल प्रति हैक्टेयर है, जबकि इसकी 20 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की उत्पादन क्षमता है। यह किस्म पीला मोजैक, पत्ता झुरिया और पत्ता मरोड़ रोगों के प्रतिरोधी, जबकि एंथ्राकनोज व सफेद चूणिया रोगों के प्रति मध्यम प्रतिरोधी है। दलहनों की कम उत्पादकता को देखते हुये इस विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक दलहनों की उन्नत और विभिन्न जलवायु के अनुकूल किस्में विकसित करने के लिए निरंतर प्रयत्नशील हैं।

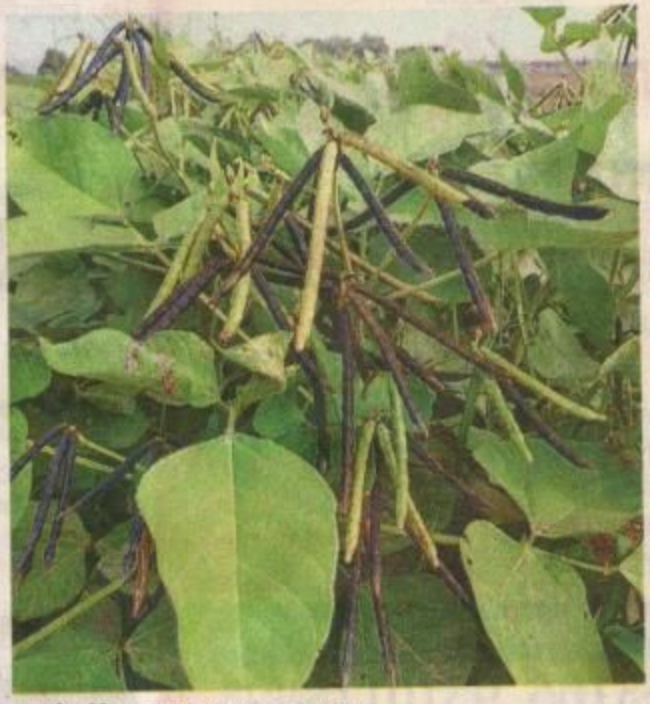

मूंग की नई किस्म एमएच 1142 । जागरण

इन वैज्ञानिकों ने विकसित की किस्म

एमएच 1142 किस्म को डा. राजेश यादव, डा. रविका, डा. नरेश कुमार, डा. पीके वर्मा और डा. एके छाबड़ा की टीम ने डा. एसके शर्मा, डा. एएस राठी और रोशन लाल के सहयोग से विकसित किया है।

63 से 70 दिन में पककर होती है तैयार

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक, डा. एसके सहरावत ने बताया कि विभिन्न राज्यों में यह किस्म पकने में 63-70 दिन का समय लेती है और अन्य किस्मों की अपेक्षा इस पर सफेद मक्खी कीट का बहुत कम प्रकोप होता है। इसके पौधे अर्ध ऊधर्व होते हैं, जिनकी बढ़वार पकने के बाद थम जाती है। इसकी फली काले रंग की और उसमें मध्यम आकार के हरे चमकीले दाने होते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम पँजाब केसरी

दिनांक 5.6.2017 पृष्ठ सं. 5 कॉलम 2-5

हकृवि ने मूंग की नई किस्म की विकसित

मूंग की नई किस्म।

हिसार, 4 जून (ब्यूरो): चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने मूंग की एक नई किस्म एम.एच. 1142 विकसित की है। उत्पादन तथा रोग प्रतिरोधकता की दृष्टि से यह एक उत्तम किस्म है।

कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने बताया कि उत्पादन की दृष्टि से यह किस्म मूंग की लोकप्रिय किस्म एम.एच. 421 से बेहतर है। विभिन्न राज्यों में एम.एच. 1142 की औसत पैदावार 12 क्विंटल प्रति हैक्टेयर है जबकि इसकी 20 क्विंटल प्रति हैक्टेयर की उत्पादन क्षमता है। यह किस्म पीला मोजैक, पत्ता झुरिया और पत्ता मरोड़ रोगों के प्रतिरोधी जबकि एंथ्राकनोज व सफेद चूर्णिया रोगों के प्रति मध्यम प्रतिरोधी है। उल्लेखनीय है कि एम.एच. 1142 किस्म को डा. राजेश यादव, डा. रविका, डा. नरेश कुमार, डा. पी.के.वर्मा और डा. ए.के. छाबड़ा की टीम ने डा. एस.के.शर्मा, डा. ए.एस.राठी और रोशन लाल के सहयोग से विकसित किया है।

क्या है विशेषता

विभिन्न राज्यों में यह किस्म पकने में 63-70 दिन का समय लेती है और अन्य किस्मों की अपेक्षा इस पर सफेद मक्खी कीट का बहुत कम प्रकोप होता है। इसके पौधे अर्ध ऊधर्व होते हैं जिनकी बढ़वार पकने के बाद थम जाती है। इसकी फली काले रंग की और उसमें मध्यम आकार के हरे चमकीले दाने होते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम अमर उजाला
दिनांक 5.6.2017 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 4

एचएयू की मूंग की नई किस्म राष्ट्रीय स्तर पर चिह्नित

मूंग की लोकप्रिय किस्म एमएच-421 से बेहतर है एमएच-1142, पकने में 63-70 दिन का समय लेती है

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने मूंग की एक नई किस्म एमएच 1142 विकसित की है। उत्पादन तथा रोग प्रतिरोधकता की दृष्टि से यह एक उत्तम किस्म है।

कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि आचार्य एनजी रंगा कृषि विश्वविद्यालय गुंटूर आंध्रप्रदेश में अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की खरीफ दलहनों पर हाल ही में संपन्न हुई वार्षिक समूह बैठक में इस किस्म की देश के उत्तर-पश्चिमी और उत्तर-पूर्वी मैदानी क्षेत्रों में खरीफ मौसम में खेती के लिए चिह्नित की गई है। इन क्षेत्रों में पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तराखंड, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिमी बंगाल और असम राज्य शामिल हैं।उन्होंने बताया कि उत्पादन की दृष्टि से यह किस्म मूंग की लोकप्रिय किस्म एमएच-421 से बेहतर है। विभिन्न राज्यों में एमएच-1142 की औसत पैदावार 12 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है, जबकि इसकी 20 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की उत्पादन क्षमता है। यह किस्म पीला मोजैक, पत्ता झुरियां और पत्ता मरोड़ रोगों के प्रतिरोधी, जबकि एंथ्राकनोज व सफेद चूर्णिया रोगों के प्रति मध्यम प्रतिरोधी है। कुलपति ने कहा कि दलहनों की कम उत्पादकता को देखते हुए इस विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक दलहनों की उन्नत और विभिन्न जलवायु के अनुकूल किस्में विकसित करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। रोगरोधी और अधिक उत्पादन के कारण यह किस्म फसल विविधिकरण के लिए बहुत उत्तम साबित होगी।

ये खासियत है मूंग की एमएच-1142 की

- विभिन्न राज्यों में यह किस्म पकने में 63-70 दिन का समय लेती है।
- अन्य किस्मों की अपेक्षा इस पर सफेद मक्खी कीट का बहुत कम प्रकोप होता है।
- इसके पौधे अर्ध ऊधर्व होते हैं, जिनकी बढ़वार पकने के बाद थम जाती है।
- इसकी फली काले रंग की और उसमें मध्यम आकार के हरे चमकीले दाने होते हैं।

नोट... खासियत विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत के अनुसार।

एचएयू द्वारा विकसित की गई मूंग की नई किस्म एमएच-1142 *अमर उजाला*

इस टीम ने तैयार की नई किस्म

एमएच-1142 किस्म को डॉ. राजेश यादव, डॉ. रविका, डॉ. नरेश कुमार, डॉ. पीके वर्मा और डॉ. एके छाबड़ा की टीम ने डॉ. एसके शर्मा, डॉ. एएस राठी और रोशन लाल के सहयोग से विकसित किया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 6.6.2019 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 2-3

एचएयू में मूंग की नई वैरायटी डिवेलप, हर हेक्टेयर में 20 क्विंटल होगी उपज

हिसार | देश के 10 राज्यों के किसान एचएयू द्वारा तैयार मूंग की नई किस्म एमएच 1142 का प्रयोग करेंगे। इस किस्म में रोगों से लड़ने की क्षमता के साथ पुरानी किस्मों से अधिक पैदावार करने जैसी खूबी है। आपको बता दें कि मूंग की यह किस्म 20 क्विंटल प्रति एकड़ उपज देगी। आंध्रप्रदेश के गुंटूर स्थित आचार्य एनजी रंगा कृषि विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की खरीफ दलहनों पर वार्षिक समूह बैठक आयोजित हुई। इसमें इस किस्म की देश के उत्तर-पश्चिमी और उत्तर-पूर्वी मैदानी क्षेत्रों में मूंग की इस किस्म का प्रयोग किया जाएगा। कुलपति ने बताया कि पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तराखण्ड, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, बिहार, झारखण्ड, पश्चिमी बंगाल और असम में रहने वाले किसान इस किस्म को बो कर फायदा उठा सकते हैं। खरीफ मौसम में खेती के लिए इसे चिह्नित किया गया है।

मूंग की इस किस्म में यह है खास

- उत्पादन की दृष्टि से यह किस्म मूंग की लोकप्रिय किस्म एमएच 421 से बेहतर है।
- विभिन्न राज्यों में एमएच 1142 की औसत पैदावार 12 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है जबकि इसकी 20 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की उत्पादन क्षमता है।
- यह किस्म पीला मोजैक, पत्ता झूरिया और पत्ता मरोड़ रोगों के प्रतिरोधी जबकि एंथ्राकनोज व सफेद चूर्णिया रोगों के प्रति मध्यम प्रतिरोधी है।

सफेद मक्खी का भी नहीं होता प्रभाव

एचएयू में अनुसंधान निदेशक, डॉ. एसके सहरावत बताते हैं कि विभिन्न राज्यों में यह किस्म पकने में 63-70 दिन का समय लेती हैं, अन्य किस्मों की अपेक्षा इस पर सफेद मक्खी कीट का बहुत कम प्रकोप होता है। इसके पौधे अर्ध ऊर्ध्व होते हैं जिनकी बढ़वार पकने के बाद थम जाती है। इसकी फली काले रंग की और उसमें मध्यम आकार के हरे चमकीले दाने होते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम सिटीपल्स

दिनांक 5.6.2017 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 1-3

हकृवि द्वारा विकसित मूंग की नई किस्म राष्ट्रीय स्तर पर चिन्हित हुई

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने मूंग की एक नई किस्म एमएच 1142 विकसित की है। उत्पादन तथा रोग प्रतिरोधकता की दृष्टि से यह एक उत्तम किस्म है।

कुलपति प्रो. केपी सिंह ने यह जानकारी देते हुए बताया कि आचार्य एनजी रंगा कृषि विश्वविद्यालय, गुंटूर, आंध्रप्रदेश में अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की खरीफ दलहनों पर हाल ही में संपन्न हुई वार्षिक समूह बैठक में इस किस्म की देश के उत्तर-पश्चिमी और उत्तर-पूर्वी मैदानी क्षेत्रों जिनमें पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तराखण्ड, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, बिहार, झारखण्ड, पश्चिमी बंगाल और असम राज्य शामिल हैं, में खरीफ मौसम में खेती के लिए चिन्हित की गई है।

उन्होंने बताया कि उत्पादन की दृष्टि से यह किस्म मूंग की लोकप्रिय किस्म एमएच 421 से बेहत्तर है। विभिन्न राज्यों में एमएच 1142 की औसत पैदावार 12 क्विंटल प्रति हैक्टेयर है जबकि इसकी 20 क्विंटल प्रति हैक्टेयर की

हिसार। मूंग की नई किस्म एमएच 1142

उत्पादन क्षमता है। यह किस्म पीला मोजैक, पत्ता झुरिया और पत्ता मरोड़ रोगों के प्रतिरोधी जबकि एंथ्राकनोज व सफेद चूर्णिया रोगों के प्रति मध्यम प्रतिरोधी है।

कुलपति ने कहा कि दलहनों की कम उत्पादकता को देखते हुए इस विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक दलहनों की उन्नत और विभिन्न जलवायु के अनुकूल किस्में विकसित करने के लिए निरंतर प्रयत्नशील हैं। रोगरोधी और अधिक उत्पादन के कारण यह किस्म फसल विविधिकरण के लिए बहुत उत्तम साबित होगी।

उल्लेखनीय है कि एमएच 1142 किस्म को डॉ. राजेश यादव, डॉ. रविका, डॉ. नरेश कुमार, डॉ. पीके वर्मा और डॉ. एके छाबड़ा की टीम ने डॉ. एसके शर्मा, डॉ. एएस राठी और रोशन लाल के सहयोग से विकसित किया है।

मूंग की उपरोक्त किस्म की अन्य विशेषताओं का उल्लेख करते हुए विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक, डॉ. एस.के.सहरावत ने बताया कि विभिन्न राज्यों में यह किस्म पकने में 63-70 दिन का समय लेती है और अन्य किस्मों की अपेक्षा इस पर सफेद मक्खी कीट का बहुत कम प्रकोप होता है। इसके पौधे अर्ध ऊर्ध्व होते हैं जिनकी बढ़वार पकने के बाद थम जाती है। इसकी फली काले रंग की और उसमें मध्यम आकार के हरे चमकीले दाने होते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम जागरण

दिनांक 5.6.2017 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 2-4

हकृवि द्वारा विकसित मूँग की नई किस्म राष्ट्रीय स्तर पर चिन्हित हुई

हिसार, 5 जून (निस) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने मूँग की एक नई किस्म एमएच 1142 विकसित की है। उत्पादन तथा रोग प्रतिरोधकता की दृष्टि से यह एक उत्तम किस्म है। कुलपति प्रो. के.पी.सिंह ने यह जानकारी देते हुए बताया कि आचार्य एन.जी.रंगा कृषि विश्वविद्यालय, गुंटूर, आंध्रप्रदेश में अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की खरीफ दलहनों पर हाल ही में संपन्न हुई वार्षिक समूह बैठक में इस किस्म की देश के उत्तर-पश्चिमी और उत्तर-पूर्वी मैदानी क्षेत्रों जिनमें

पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तराखण्ड, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, बिहार, झारखण्ड, पश्चिमी बंगाल और असम राज्य शामिल हैं, में खरीफ मौसम में खेती के लिए चिन्हित की गई है। उन्होंने बताया कि उत्पादन की दृष्टि से यह किस्म मूँग की लोकप्रिय किस्म एमएच 421 से बेहत्तर है। विभिन्न राज्यों में एमएच 1142 की औसत पैदावार 12 क्विंटल प्रति हैक्टेयर है जबकि इसकी 20 क्विंटल प्रति हैक्टेयर की उत्पादन क्षमता है। यह किस्म पीला मोजैक, पत्ता झूरिया और पत्ता मरोड़ रोगों के प्रतिरोधी जबकि एंथ्राकनोज व सफेद चूर्णिया रोगों के प्रति मध्यम प्रतिरोधी है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 6.6.2019 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 2-4

रिसर्च • एचएयू के वैज्ञानिकों ने रिसर्च कर समझी तकनीक

प्याज के बीजों की उपलब्धता होती है कम, अब ढाई एकड़ में तैयार होगा 5.9 क्विंटल बीज

• किसान, बीज उत्पादक एजेंसी कर सकते हैं प्रयोग

एग्रो न्यूज | हिसार

प्लाज लगाने के बाद प्याज के बीजों की अक्सर उपलब्धता कम होती है, अगर किसानों को बीज मिल भी जाएं तो गुणवत्ता अच्छी मिलना बड़ी बात है। इस समस्या का समाधान अब निकाल लिया गया है।

एचएयू के वैज्ञानिकों ने प्याज के बीज को बोने के लिए किसानों की प्रैक्टिस पर रिसर्च कर अच्छे बीज उत्पन्न करने का समाधान निकाला। उन्होंने बताया कि किसान उनके फार्मूले से प्याज के बीज को लगाता है तो करीब 5.9 क्विंटल प्रति हैक्टेयर बीज की पैदावार की जा सकती है। इस तकनीक को किसानों से लेकर प्राइवेट व सरकारी बीज उत्पादक कंपनी प्रयोग में ला सकती है।

प्याज के गुणवत्तायुक्त बीज तैयार करने की विधि

सोनीपत में एचएयू के सब्जी विभाग के फार्म पर तैयार प्याज का बीज।

सहायक वैज्ञानिक डॉ. हंसराज ने बताया कि किसानों को बीज लगाने की प्रक्रिया में बदलाव करना होगा। उन्हें अच्छे बीज पाने के लिए 45 बाई 45 सेंटीमीटर की दूरी बनाकर प्याज को लगाना होगा, इसमें प्याज का साइज 5.5 सेंटीमीटर से बड़ा रखा जाएगा, तभी 5.9 क्विंटल प्रति हेक्टेयर बीज की उपज संभव हो सकेगी। रिसर्च के दौरान 30 बाई 30, 45 बाई 30, 45 बाई 45 की दूरी पर बीज लगाया, लेकिन सबसे अच्छा रिजल्ट 45 बाई 45 की दूरी पर आया।

नेपाल में इस रिसर्च को मिला सम्मान

एचएयू के सब्जी विज्ञान विभाग में सहायक वैज्ञानिक डॉ. हंस राज को प्याज के बीज की गुणवत्ता को लेकर हुई रिसर्च के लिए नेपाल में सम्मानित भी किया गया। उन्होंने बताया कि यह रिसर्च सोनीपत में सब्जी फार्म में वैज्ञानिक डॉ. एसके फोर ने शुरू की, बाद में वह भी उनके इस प्रोजेक्ट में जुड़ गए। उन्हें काठमांडू स्थित त्रिभुवन विवि बेस्ट ओरल प्रेजेंटेशन अवार्ड मिला।

समाचार-पत्र का नाम ....हरिभूमि, पंजाब केसरी....
दिनांक ...5.6.2019... पृष्ठ सं. ...11, 4... कॉलम ...4-5, 6-8...

हकृवि सब्जी वैज्ञानिक को काठमांडू में मिला अवार्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हकृवि के सब्जी विज्ञान विभाग के दो सहायक वैज्ञानिकों डॉ. मक्खन मजोका और डॉ. हंसराज ने त्रिभुवन विश्वविद्यालय काठमांडू में 'फूड सिक्योरिटी थ्रू एग्रीकल्चर एंड एलाइड सांइसिस' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में विवि का प्रतिनिधित्व किया।

इस कांफ्रेन्स में दोनों वैज्ञानिकों ने अनुसंधान-पत्र प्रस्तुत किए। डॉ. हंस राज को उनके द्वारा प्रस्तुत अनुसंधान-पत्र के लिए 'बेस्ट ओरल प्रेजेंटेशन अवार्ड' प्रदान किया गया। उन्होंने हरियाणा में प्याज का गुणवत्तापरक बीज तैयार करने के बारे में अपना शोध-पत्र प्रस्तुत किया था।

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत तथा सब्जी विभाग के अध्यक्ष डॉ. वीके बतरा ने इनकी इस उपलब्धि पर हर्ष जताया है।

डा. हंस राज को मिला 'बैस्ट ओरल प्रेजैन्टेशन अवार्ड'

हिसार, 4 जून (ब्यूरो): चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सब्जी विज्ञान विभाग के 2 सहायक वैज्ञानिकों डा. मक्खन मजोका और डा. हंस राज ने त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू (नेपाल) में 'फूड सिक्योरिटी थ्रू एग्रींकल्चर एंड एलाइड साइंसिस' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रैन्स में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। इस कांफ्रैन्स उपरोक्त में दोनों वैज्ञानिकों ने अनुसंधान-पत्र प्रस्तुत किए। डा. हंस राज को उनके द्वारा प्रस्तुत अनुसंधान-पत्र के लिए 'बैस्ट ओरल प्रेजैन्टेशन अवार्ड' प्रदान किया गया।

उन्होंने हरियाणा में प्याज का गुणवत्तापरक बीज तैयार करने के बारे में अपना शोध-पत्र प्रस्तुत किया था।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम पायल पक्ष

दिनांक 5.6.2019 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 5-6

हकृवि के सब्जी वैज्ञानिक को मिला अवार्ड

हिसार, 4 जून (निस) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सब्जी विज्ञान विभाग के दो सहायक वैज्ञानिकों डॉ. मक्खन मजोका और डॉ. हंस राज ने त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू (नेपाल) में 'फूड सिक्योरिटी थ्रू एग्रीकल्चर एण्ड एलाइड सांइसिस' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेन्स में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। इस कांफ्रेन्स उपरोक्त में दोनों वैज्ञानिकों ने अनुसंधान-पत्र प्रस्तुत किए। डॉ. हंस राज को उनके द्वारा प्रस्तुत अनुसंधान-पत्र के लिए 'बेस्ट ओरल प्रेजैन्टेशन अवार्ड' प्रदान किया गया। उन्होंने हरियाणा में प्याज का गुणवत्तापरक बीज तैयार करने के बारे में अपना शोध-पत्र प्रस्तुत किया था। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत व सब्जी विभाग के अध्यक्ष डॉ. वी.के. बतरा ने इनकी इस उपलब्धि की प्रशंसा की और उन्हे बधाई दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम अमर उजाला

दिनांक 5.6.2019 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 3-8

शिक्षा

परीक्षा विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर और परिसर से बाहर कुल 21 केंद्रों पर होगी

हकृवि में प्रवेश परीक्षा आठ को,वीसी ने लिया तैयारियों का जायजा

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने 8 जून को होने वाली प्रवेश परीक्षा की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। ये परीक्षा विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर और परिसर से बाहर कुल 21 केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने इस परीक्षा को लेकर किए गए प्रबंधों का मंगलवार को जायजा लिया।

उन्होंने बताया कि यह परीक्षा बीएससी (ऑनर्ज) एग्रीकल्चर चार वर्षीय डिग्री कोर्स की कुल 155 सीटों तथा एमएससी एग्रीकल्चर एवं एमएससी होम साइंस पाठ्यक्रमों में क्रमशः 93 व 26 सीटों के लिए आयोजित की जाएगी। उल्लेखनीय है कि इन पाठ्यक्रमों के लिए 11404 उम्मीदवारों द्वारा आवेदन किए गए हैं, जिनमें बीएससी (ऑनर्स) एग्रीकल्चर चार वर्षीय पाठ्यक्रम के लिए 10771 और एमएससी एग्रीकल्चर एवं एमएससी होम साइंस के लिए 633 उम्मीदवार शामिल हैं। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. बीआर कंबोज के अनुसार प्रवेश परीक्षा में नकल करने तथा दूसरे के स्थान पर परीक्षा देने वालों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। इसके लिए विशेष निरीक्षण दलों का गठन किया गया है। प्रत्येक उम्मीदवार की फोटोग्राफी भी की जाएगी। उन्होंने बताया कि उम्मीदवारों को परीक्षा केंद्र में मोबाइल फोन, कैलकुलेटर व इलेक्ट्रानिक डायरी जैसे इलेक्ट्रानिक उपकरण लेकर जाने की अनुमति नहीं होगी। इन उपकरणों को उन्हें परीक्षा केंद्र के बाहर ही छोडना होगा।

बिना एडमिट कार्ड के एंट्री नहीं

डॉ. कंबोज ने कहा कि उम्मीदवार अपना एडमिट कार्ड डाउनलोड करके साथ लाएं। बिना एडमिट कार्ड के उन्हें परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। बीएससी और एमएससी डिग्री कोर्सों के लिए प्रवेश परीक्षा का समय सुबह 10 बजे से एक बजे तक होगा। इसके लिए उम्मीदवारों को 9 बजे से 9:45 बजे तक अपने परीक्षा केंद्र पर पहुंचना होगा। उन्होंने कहा कि किसी भी समस्या के लिए उम्मीदवार विश्वविद्यालय के फ्लेचर भवन में स्थित सहायक कुलसचिव (एकेडमिक) के कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक जागरण

दिनांक 5.6.2019 पृष्ठ सं. 19 कॉलम 3-8

बीएससी एग्रीकल्चर में दाखिले के लिए परीक्षा 8 को

चार वर्षीय कोर्स के लिए आए 10771 आवेदन

जागरण संवाददाता हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने 8 जून 2019 को बीएससी और एमएससी एग्रीकल्चर में होने वाली प्रवेश परीक्षा की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। विश्वविद्यालय में लंबे समय बाद विद्यार्थियों द्वारा किए जाने वाले आवेदनों की संख्या घट गई है। पिछले वर्ष की अपेक्षा इस बार 21 फीसद कम विद्यार्थियों ने आवेदन किया है। बीएससी एग्रीकल्चर के चार वर्षीय कोर्स की 155 सीटों के लिए 10771 आवेदन आए हैं। वहीं, एमएससी एग्रीकल्चर और एमएससी होम साइंस के लिए 633 विद्यार्थियों ने आवेदन किया है। दोनों ही कोर्सों में आवेदन पिछली बार की अपेक्षा कम है। पिछले वर्ष बीएससी एग्रीकल्चर के चार वर्षीय कोर्स के लिए 13668 और एमएससी के दोनों कोर्सों के लिए 648 उम्मीदवारों ने आवेदन किया था।

21 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होगी परीक्षा

यह परीक्षा विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर और परिसर से बाहर कुल 21 केन्द्रों पर आयोजित की जानी है। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने इस परीक्षा को लेकर किए गए सभी प्रबंधों का जायजा लिया। यह परीक्षा बीएससी (आनर्ज) एग्रीकल्चर चार वर्षीय डिग्री कोर्स की कुल 155 सीटों और एमएससी एग्रीकल्चर एवं एमएससी होम साइंस पाठयक्रमों में क्रमशः 93 व 26 सीटों के लिए आयोजित की जा रही है। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डा. बीआर कंबोज के अनुसार प्रवेश परीक्षा में नकल करने और दूसरे के स्थान पर परीक्षा देने वालों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी।

प्रत्येक उम्मीदवार की होगी फोटोग्राफी : कुलसचिव ने बताया कि प्रत्येक उम्मीदवार की फोटोग्राफी भी की जाएगी। उम्मीदवारों को परीक्षा केन्द्र में मोबाइल फोन, कैलकुलेटर व इलेक्ट्रानिक डायरी जैसे इलेक्ट्रानिक उपकरण लेकर जाने की अनुमति नहीं होगी। इन उपकरणों को उन्हें परीक्षा केन्द्र के बाहर छोड़ना होगा, जिनकी सुरक्षा की जिम्मेवारी उम्मीदवारों की ही होगी। डा. कंबोज ने कहा कि उम्मीदवार अपना एडमिट कार्ड डाउनलोड करके साथ लाएं। बिना एडमिट कार्ड के उन्हें परीक्षा केन्द्र में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। उपरोक्त बीएससी और एमएससी डिग्री कोर्सों के लिए प्रवेश परीक्षा का समय प्रात: 10 बजे से दोपहर एक बजे तक होगा। उम्मीदवारों को 9 बजे से पौने दस बजे तक अपने परीक्षा केंद्र पर पहुंचना होगा। किसी भी समस्या के लिए उम्मीदवार विश्वविद्यालय के सहायक कुलसचिव (अकेडमिक) के कार्यालय में मिल सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 5.6.2019 पृष्ठ सं. 7 कॉलम 3-4

एचएयूः बीएससी व एमएससी की 274 सीटों पर 8 जून को होगी प्रवेश परीक्षा

हिसार | एचएयू ने 8 जून को होने वाली प्रवेश परीक्षा की तैयारियां पूरी कर ली हैं। यह परीक्षा विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर और परिसर से बाहर कुल 21 केंद्री पर आयोजित की जाएगी। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने परीक्षा के सभी प्रबंधों का जायजा लिया। बीएस-सी (ऑनर्स) एग्रीकल्चर चार वर्षीय डिग्री कोर्स की कुल 155 सीटों तथा एमएस-सी एग्रीकल्चर एवं एमएस-सी होम साइंस पाठ्यक्रमों में 93 व 26 सीटों के लिए प्रवेश परीक्षा होनी है। इन पाठ्यक्रमों के लिए 11404 उम्मीदवारों द्वारा आवेदन किए गए हैं जिनमें बीएस-सी (ऑनर्स) एग्रीकल्चर चार वर्षीय पाठ्यक्रम के लिए 10771 तथा एमएस-सी एग्रीकल्चर एवं एमएस-सी होम साइंस के लिए 633 उम्मीदवार शामिल हैं।

नकल रोकने के लिए यह है प्रावधान

विवि रजिस्ट्रार डॉ. बीआर कंबोज के अनुसार प्रवेश परीक्षा में नकल करने तथा दूसरे के स्थान पर परीक्षा देने वालों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। इसके लिए विशेष निरीक्षण दलों का गठन किया है। हरेक उम्मीदवार की फोटोग्राफी की जाएगी। उम्मीदवारों को परीक्षा केन्द्र में मोबाइल फोन, कैलकुलेटर व इलेक्ट्रॉनिक डायरी जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण लेकर जाने की अनुमति नहीं होगी।

परीक्षा के लिए यह बातें जाननी जरूरी

▪ उम्मीदवार अपना एडमिट कार्ड डाउनलोड करके साथ लाएं। बिना एडमिट कार्ड के उन्हें परीक्षा केन्द्र में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। ▪ बीएस-सी और एमएस-सी डिग्री कोर्सों के लिए प्रवेश परीक्षा का समय सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक होगा लेकिन उम्मीदवारों को 9 बजे से 9.45 तक अपने परीक्षा केन्द्र पर पहुंचना होगा। ▪ किसी भी समस्या के लिए उम्मीदवार विवि के फ्लैचर भवन स्थित सहायक कुलसचिव (एकेडमिक) कार्यालय में सुबह 7.00 बजे से दोपहर 2.00 बजे तक आकर मिल सकते हैं, अन्यथा कार्यालय के फोन नं. 01662-255254 पर संपर्क कर सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम पंजाब केसरी

दिनांक 5.6.2019 पृष्ठ सं. 5 कॉलम 6-7

हकृवि प्रवेश परीक्षा 8 को, तैयारियां पूर्ण

हिसार, 4 जून (ब्यूरो): चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने 8 जून को होने वाली प्रवेश परीक्षा की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। यह परीक्षा विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर तथा परिसर से बाहर 21 केन्द्रों पर आयोजित की जानी है।

कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने इस परीक्षा को लेकर किए गए सभी प्रबंधों का जायजा लिया। यह परीक्षा बी.एससी. (आनर्स) एग्रीकल्चर 4 वर्षीय डिग्री कोर्स की कुल 155 सीटें तथा एम.एससी. एग्रीकल्चर एवं एम.एससी. होम साइंस पाठ्यक्रमों में क्रमश: 93 व 26 सीटों के लिए आयोजित की जा रही है। उल्लेखनीय है कि इन पाठ्यक्रमों के लिए 11404 उम्मीदवारों द्वारा आवेदन किये गये हैं, जिनमें बी.एससी. (आनर्स) एग्रीकल्चर चार वर्षीय पाठ्यक्रम के लिए 10771 तथा एम.एससी. एग्रीकल्चर एवं एम.एससी. होम साइंस के लिए 633 उम्मीदवार शामिल हैं।

नकल रोकने के लिए विवि. ने उठाए सख्त कदम

विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डा. बी.आर. कम्बोज के अनुसार प्रवेश परीक्षा में नकल करने तथा दूसरे के स्थान पर परीक्षा देने वालों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। इसके लिए विशेष निरीक्षण दलों का गठन किया गया है। प्रत्येक उम्मीदवार की फोटोग्राफी भी की जाएगी। उन्होंने बताया कि उम्मीदवारों को परीक्षा केन्द्र में मोबाइल फोन, कैलकुलेटर व इलैक्ट्रोनिक डायरी जैसे इलैक्ट्रोनिक उपकरण लेकर जाने की अनुमति नहीं होगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम सिटी पल्स

दिनांक 11.6.2019 पृष्ठ सं. 5 कॉलम 1

हकृवि प्रवेश परीक्षा 8 जून को, तैयारियां पूर्ण

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने 8 जून, 2019 को होने वाली प्रवेश परीक्षा की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। यह परीक्षा विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर तथा परिसर से बाहर कुल 21 केन्द्रों पर आयोजित की जानी है।

कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने इस परीक्षा को लेकर किए गए सभी प्रबंधों का जायज़ा लिया। यह परीक्षा बी.एस-सी. (आनर्ज़) एग्रीकल्चर चार वर्षीय डिग्री कोर्स की कुल 155 सीटों तथा एम.एस-सी. एग्रीकल्चर एवं एम.एस-सी. होम साइंस पाठ्यक्रमों में क्रमशः 93 व 26 सीटों के लिए आयोजित की जा रही है। उल्लेखनीय है कि इन पाठ्यक्रमों के लिए 11404 उम्मीदवारों द्वारा आवेदन किये गये हैं जिनमें बी.एस-सी. (आनर्ज़) एग्रीकल्चर चार वर्षीय पाठ्यक्रम के लिए 10771 तथा एम.एस-सी. एग्रीकल्चर एवं एम.एस-सी. होम साइंस के लिए 633 उम्मीदवार शामिल हैं।

विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. बी.आर. कंबोज के अनुसार प्रवेश परीक्षा में नकल करने तथा दूसरे के स्थान पर परीक्षा देने वालों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। इसके लिए विशेष निरीक्षण दलों का गठन किया गया है। प्रत्येक उम्मीदवार की फोटोग्राफी भी की जाएगी। उन्होंने बताया कि उम्मीदवारों को परीक्षा केन्द्र में मोबाइल फोन, कैलकूलेटर व इलैक्ट्रोनिक डायरी जैसे इलैक्ट्रोनिक उपकरण लेकर जाने की अनुमति नहीं होगी। इन उपकरणों को उन्हें परीक्षा केन्द्र के बाहर छोड़ना होगा जिनकी सुरक्षा की जिम्मेवारी उम्मीदवारों की ही होगी।

डॉ. कंबोज ने कहा कि उम्मीदवार अपना एडमिट कार्ड डाऊनलोड करके साथ लाएं। बिना एडमिट कार्ड के उन्हें परीक्षा केन्द्र में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि उपरोक्त बी.एस-सी. और एम.एस-सी डिग्री कोर्सों के लिए प्रवेश परीक्षा का समय प्रातः 10.00 बजे से दोपहर 1.00 बजे तक होगा परंतु उम्मीदवारों को 9 बजे से 9.45 तक अपने परीक्षा केन्द्र पर पहुंचना होगा। उन्होंने कहा कि किसी भी समस्या के लिए उम्मीदवार विश्वविद्यालय के फ्लैचर भवन में स्थित सहायक कुलसचिव (एकेडमिक) के कार्यालय कमरा नं. 205 से प्रातः 7.00 बजे से दोपहर 2.00 बजे तक आकर मिल सकते हैं अन्यथा कार्यालय के फोन नं. 01662-255254 पर संपर्क कर सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम पाञ्चजन्य

दिनांक 5.6.2019 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 7-8

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतू दी ट्रेनिंग

हिसार, 5 जून (निस) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय रोजगार सूचना एवं मार्गदर्शन केन्द्र हिसार द्वारा निदेशक, डॉ. देवेन्द्र दहिया, छात्र कल्याण निदेशक के सहयोग से डॉ. ललिता महतानी, मण्डल रोजगार अधिकारी की अध्यक्षता में रोजगार कार्यालय में पंजीकृत प्रार्थियों के मार्गदर्शन व विभिन्न प्रतियोगी परिक्षाओं की तैयारी हेतु विभिन्न सत्रों का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन, समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. देवेन्द्र दहिया, छात्र कल्याण निदेशक, छात्र कल्याण निदेशालय, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने किया। इसके तहत डॉ. अर्पणा, प्रोफेसर द्वारा सीवी रिज्यूम व बायोडाटा कैसे तैयार किया जाता है इसके बारे विस्तृत रूप से बताया गया। हाऊ टु फेस इन्टरव्यू के बारे में सत्र लिया गया तथा डॉ. मंजू मेहत्ता, प्रोफेसर द्वारा ग्रुप डिस्कशन के बारे महत्वपूर्ण टिप्स दिये गये तथा विभिन्न विषय चर्चा के लिए दिये गये। इस वार्ता में कुल 34 प्रार्थियों ने भाग लिया। आगामी 14 6.2019 को प्रात: 10.00 बजे प्रार्थियों को कम्यूनिकेशन स्किल से संबंधित एक विशेष सत्र का आयोजन किया जायेगा जिसमें इच्छुक प्रार्थी समय से पहुंच कर इसका लाभ उठायेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम सिटी पल्स

दिनांक 15.6.2017 पृष्ठ सं. 5 कॉलम 8

हकृवि में प्रतियोगी परिक्षाओं की तैयारी के लिए विभिन्न सत्रों का आयोजन

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय रोजगार सूचना एवं मार्गदर्शन केन्द्र हिसार द्वारा निदेशक, डॉ. देवेन्द्र दहिया, छात्र कल्याण निदेशक के सहयोग से डॉ. ललिता महतानी, मण्डल रोजगार अधिकारी की अध्यक्षता में रोजगार कार्यालय में पंजीकृत प्रार्थियों के मार्गदर्शन व विभिन्न प्रतियोगी परिक्षाओं की तैयारी के लिए विभिन्न सत्रों का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन, समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. देवेन्द्र दहिया, छात्र कल्याण निदेशक, छात्र कल्याण निदेशालय, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने किया। इसके तहत डॉ. अर्पणा, प्रोफेसर द्वारा सीवी रिज्यूम व बायोडाटा कैसे तैयार किया जाता है इसके बारे विस्तृत रूप से बताया गया। हाऊ टु फेस इन्टरव्यू के बारे में सत्र लिया गया तथा डॉ. मंजू मेहत्ता, प्रोफेसर द्वारा ग्रुप डिस्कशन के बारे महत्वपूर्ण टिप्स दिये गये तथा विभिन्न विषय चर्चा के लिए दिये गये। इस वात्र में कुल 34 प्रार्थियों ने भाग लिया। 14 जून को प्रातः 10.00 बजे प्रार्थियों को कम्यूनिकेशन स्किल से संबंधित एक विशेष सत्र का आयोजन किया जायेगा जिसमें इच्छुक प्रार्थी समय से पहुंच कर इसका लाभ उठायेंगे।